सुनवाई | by Pulkit Jain

पहली बारी में उसकी फिर होती सुनवाई है
खाटू में जाकर जिसने दर पे अर्ज़ी लगाई है
पहली बारी में उसकी.....

सांवरिया मुरली वाला ये सब के काम बनाता
कोई भाव से इसको पुकारे ये पल में दौड़ा आता
खाटू की मिटटी जिसने मस्तक पे लगाई है
पहली बारी में उसकी.....

ये तीन बाण का धारी भक्तों के मन को भाये
लाखों नर नारी तेरे दर आकर शीश झुकाएं
खाली ना कोई जाता दर से खुशियां पाई हैं
पहली बारी में उसकी.....

ये पांडव कुल अवतारी दुनिया में सबसे न्यारा
जो हार के दर पर आया बनता है उसका सहारा
तेरे दीपक की ज्योति इस कलयुग में छाई है
पहली बारी में उसकी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/sunwaayi-by-pulkit-jain/